00432

M.Ed. SPECIAL EDUCATION (MEDSE)

Term-End Examination

December, 2017

MMDE-057 : CURRICULUM DEVELOPMENT AND SPECIAL EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : (i) Both Part - A and Part - B are compulsory.

(ii) Marks are allotted against each question.

PART - A

Answer **any three** questions from Question No. 1 - 5. Each question carries 5 marks.

1. What is the role of teacher in curriculum planning and development ? 5

2. What should be the features of School Curriculum for children after a decade in India ? 5

3. Write a note on the scope of lecture method in secondary school. 5

4. Mention characteristics of a good evaluation tool. 5

5. Write a short note on curriculum adaptation for disabled children. 5

PART - B

Attempt **any four** questions from **Part - B.** Each question carries **15** marks. Question No. **11** is **compulsory.**

6. What are various stages of curriculum development ? Briefly discuss the significance of each stage. **15**

7. Discuss the need for modifying and improving curriculum from time to time. How would you assess the effectiveness of curricular patterns in view of its outcomes ? Give examples. **15**

8. Explain the importance of project method and problem solving method in the transaction of curriculum with the help of suitable examples. **15**

9. What do you understand by experiential learning ? How would you organise a school trip to enrich the curricular experiences of children with special needs ? **15**

10. Highlight the structure of collateral curriculum. Explain why collateral curriculum is important for individuals. **15**

11. Distinguish between activity based curriculum and subject based curriculum. Discuss merits and limitations of both types of curriculum. **15**

एम.एड. विशेष शिक्षा (एम.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एम.डी.ई.-057 : पाठ्यक्रम विकास एवं विशेष शिक्षा

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : (i) ***भाग – अ*** *तथा* ***भाग – ब*** *दोनों* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) *प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।*

भाग - अ

प्रश्न संख्या **1 - 5** में से **किन्हीं तीन** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है।

1. पाठ्यक्रम नियोजन एवं विकास में शिक्षक की क्या भूमिका है? 5

2. एक दशक के बाद भारत में विद्यालयी पाठ्यक्रम की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए? 5

3. माध्यमिक विद्यालय में व्याख्यान विधि के कार्यक्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखें। 5

4. एक अच्छे मूल्यांकन उपकरण की विशेषताओं का उल्लेख करें। 5

5. विकलांग बच्चों के लिए पाठ्यक्रम अनुकूलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

भाग - ब

भाग - ब में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या **11 अनिवार्य** है।

6. पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न चरण क्या हैं? प्रत्येक चरण की उपयोगिता की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 15

7. समय-समय पर पाठ्यक्रम में परविर्तन एवं सुधार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। परिवर्तन के संदर्भ में पाठ्यक्रम की प्रभाविता का आकलन आप किस प्रकार करेंगे? उदाहरण दीजिए। 15

8. पाठ्यक्रम कार्य संपादन में परियोजना विधि एवं समस्या समाधान विधि की महत्त्वता की व्याख्या उचित उदाहरणों की सहायता से कीजिए। 15

9. अनुभवजन्य अधिगम से आप क्या समझते हैं? आप विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के पाठ्येतर अनुभवों को बेहतर करने हेतु एक विद्यालय भ्रमण किस प्रकार आयोजित करेंगे? 15

10. समानान्तर पाठ्यक्रम की बनावट पर प्रकाश डालिए। समानान्तर पाठ्यक्रम व्यक्तियों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है? व्याख्या करें। 15

11. क्रियाकलाप आधारित पाठ्यक्रम एवं विषय आधारित पाठ्यक्रम में क्या अंतर है? दोनों प्रकार के पठ्यक्रमों की उपयोगिताओं एवं सीमाओं पर चर्चा करें। 15